Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to open Kendriya Vidyalaya in Shamli, Uttar Pradesh.

श्री प्रदीप कुमार चौधरी (कैराना): धन्यवाद अध्यक्ष महोदय । आपने मुझे शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषय को रखने का अवसर दिया । मैं कैराना लोक सभा क्षेत्र से चुनकर आया हूं । हमारा शामली जनपद केन्द्रीय विद्यालय से वंचित है । …(व्यवधान) सरकार की योजना है कि जनपद स्तर पर केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना हो । वहां के बच्चे आस-पास के जनपदों में पढ़ने जाते हैं, जो बच्चे केन्द्रीय विद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक होते हैं । मेरी आपके माध्यम से सरकार से पुरजोर मांग है कि कैराना क्षेत्र के जनपद शामली में केन्द्रीय विद्यालय की जल्द से जल्द स्थापना हो । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री प्रदीप कुमार चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

आप सभी अपनी-अपनी सीटों पर जाइए, मैं आपको व्यवस्था दे रहा हूं ।

12.22 hrs

At this stage, Shri Gaurav Gogoi and some other hon. Members went back to their seats

-

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण प्लीज सिट डाउन ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण प्लीज बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपको जवाब देने के लिए अधिकृत नहीं किया गया है । आप बैठ जाइए । माननीय सदस्यगण आपके द्वारा स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया गया था । मैंने स्थगन प्रस्ताव की व्यवस्था में आपका स्थगन प्रस्ताव अस्वीकृत किया । मैंने इस सदन में हर माननीय सदस्य को आउट ऑफ टर्न होने के बाद भी बोलने का मौका दिया है । जिस विषय पर आप बोल रहे हैं, मैं फिर आपसे बोल रहा हूं कि इस सदन की गरिमा को हमें विशिष्ट स्तर पर ले जाना चाहिए । यह सदन सब का है । यह सदन आप सब का सदन है । इस सदन को आप नारेबाजी और तख्तियों की ओर मत ले जाइए । मेरा आपसे व्यक्तिगत रूप से आग्रह है कि इस सदन के अंदर आप को जितना वाद-विवाद या संवाद करना कीजिए, मैं सत्ता पक्ष से भी कह रहा हूं कि जिन सवालों का जवाब देना हो आप उनका जवाब दीजिए । अगर सब माननीय सदस्य सहमत हों तो इस सदन के अंदर तख्तियां और नारेबाजी को बंद करने की आवश्यकता है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य प्लीज बैठ जाइए । आप जितने विषय उठाना चाहेंगे, मैं हर विषय पर आपको आउट ऑफ टर्न भी अलाउ करूंगा । आप विषय उठाइए । लेकिन मेरा आग्रह है कि दुनिया इस सदन को देखती है और यह आप का सदन है । आपको अपने सदन की गरिमा बनाकर रखनी है । आप तख्तियां लाकर इस सदन को नगर निगम और नगर परिषद जैसा मत बनाइए । अधीर रंजन जी, आपको जितना बोलना है, बोलिए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री दानिश अली जी, मैं आपको भी बोलने का मौका दूंगा । आप अभी मत बोलिए, बैठ जाइए ।

12.25 hrs

SUBMISSION BY MEMBER…Contd.

Re : Alleged engineering defection detrimental to the health of Parliamentary democracy

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, आपकी पीड़ा मैं समझता हूं, इसलिए पहले दिन से आज तक आपने देखा होगा कि हमारी पार्टी की तरफ से हम बराबर सहयोग करते रहे । सर, आज हाउस की प्रोडक्टिविटी बढ़ रही है । हमारे योगदान के बिना हाउस की प्रोडक्टिविटी नहीं बढ़ सकती ।

माननीय अध्यक्ष : यह केवल आपसे ही नहीं बढ़ रही, यह सबका सदन है ।

श्री अधीर रंजन चौधरी: मैं केवल ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि मैं भी विपक्ष का एक हिस्सा हूं । हमारा मकसद बिल्कुल साफ है । सदन को चलाना, बहस करना, डॉयलॉग मारना, डिस्प्यूट करना हमारा काम है, डिसीजन लेना उनका काम है । हम मुद्दा उठाएंगे, लेकिन डिसीजन लेना उनका काम है । वे सरकार में हैं, पोजीशन में हैं और हम अपोजीशन में हैं । हम अपना फर्ज़ निभा रहे हैं, सरकार अपना फर्ज़ निभाए । यही हमारी उनसे उम्मीद है, इससे ज्यादा नहीं । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं फिर से आग्रह कर रहा हूं कि बैठे-बैठे न बोलें और न खड़े होकर बोलें । जब मैंने माननीय अधीर रंजन जी को बोलने को कहा है, तो वे ही बोलेंगे । आप ऐसा मत कीजिए । अधीर रंजन जी, आप बोलिए ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, हमारे इस सदन में एक बहुत ही कद्दावर एवं वरिष्ठ नेता, जिनकी मैं बड़ी सराहना करता हूं, श्री अरुण जेटली साहब कहा करते थे – 'disruption is also a legitimate weapon for democracy.' तो क्या करें सर? हम भी तो हमारे वरिष्ठ नेता से ही सीखे हैं । मैं यह कहना चाहता हूं कि आप वाकिफ हैं कि कर्नाटक में क्या हालात हो रहे हैं । सिर्फ दो मुद्दे हैं । कर्नाटक ही नहीं, इस शिकार की राजनीति को बन्द करना चाहिए । यह पोचिंग पॉलिटिक्स बन्द करनी चाहिए । आज कर्नाटक, कल मध्य प्रदेश, इस तरह से

एक के बाद एक अगर विधायकों को तोड़ा जाए, डिस्मेंटल किया जाए, पैसे का लालच दिया जाए, तो यह सही नहीं है । विधायक राजभवन से निकलते हैं, तो उनके लिए गाड़ी खड़ी है । एयरपोर्ट जाएंगे, हवाई जहाज खड़ा है । ठहरने के लिए आलीशान होटल तैयार है । इस सरकार की सत्तारूढ़ पार्टी के लोग कहते हैं कि हम अभी कर्नाटक ले रहे हैं, इसके बाद हम मध्य प्रदेश लेंगे । यह शिकार की राजनीति, पोचिंग पॉलिटिक्स हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर रही है । इसे बन्द करना चाहिए, इसीलिए हम सदन में आए हैं । सत्तारूढ़ पार्टी की नीति और नीयत पर हिन्दुस्तान के आम लोगों को बिल्कुल भरोसा नहीं है । इसलिए मैं सरकार से दरख्वास्त कर रहा हूं कि किसी भी हालत में लोकतंत्र को बचाकर रखें । शिकार की राजनीति बन्द होनी चाहिए । Poaching politics should be stopped. …(*Interruptions*). We are walking out.

12.28 hrs

At this stage, Shri Adhir Ranjan Chowdhury and some other hon. Members left the House.

माननीय अध्यक्ष : सदन के उप नेता, रक्षा मंत्री माननीय श्री राजनाथ सिंह जी ।

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष

महोदय,
आपने अपनी
सदाशयता
का परिचय
देते हुए जो
विषय इसी
सत्र में, हाउस
में उठाया गया
है और पुनः
आपने उन्हें
बोलने की
इजाज़त दी है,
लेकिन इसका
उन्होंने
दुरुपयोग
किया है । …
(व्यवधान) ।
यह सच है कि
कर्नाटक में
जो कुछ भी
हुआ, यह
कांग्रेस के
अपने घर का
मामला है,
लेकिन अपने
घर को ये
संभाल नहीं
पा रहे हैं,
बल्कि

पार्लियामेंट के
इस लोअर
हाउस को
डिस्टर्ब करने
की कोशिश
कर रहे हैं ।
...(व्यवधान)
। मैं समझता
हूं कि इसे
कदापि उचित
नहीं ठहराया
जा सकता ।
मैं यही कहना
चाहता हूं । ...
(व्यवधान)